भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 121 का उत्तर

नई ट्रेन सेवाएं और स्टेशन का विकास

***121. श्री श्रीभरत मतुकुमिल्लि:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ट्रेन के प्रारंभ होने के और गंतव्य स्टेशन, निर्धारित समय इत्यादि सहित विशाखापत्तनम से होकर विभिन्न मार्गों को जोड़ने वाली नई ट्रेन सेवाएं आरंभ करने के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है तथा प्रत्येक प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) प्रत्येक प्रस्ताव की स्थिति और इसके अनुमोदन या कार्यान्वयन के लिए प्रत्याशित समय-सीमा सहित विशेषत: विशाखापत्तनम से अन्य गंतव्य स्थानों के लिए शुरू होने वाली नई ट्रेन सेवाओं के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विशाखापत्तनम जिले के स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के ठहरावों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसमें वंदे भारत ट्रेन के ठहराव का अनुरोध भी शामिल है;

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक प्रस्ताव की रेलगाड़ी-वार स्थिति क्या है और अनुमोदन में होने वाली देरी के क्या कारण हैं; और

(ङ) दुव्वाडा और विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर विकास परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है तथा अनुमोदित परियोजनाओं, आवंटित और जारी की गई धनराशि सहित प्रत्येक परियोजना की प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

नई ट्रेन सेवाएं और स्टेशन के विकास के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री श्रीभरत मतुकुमिल्लि के तारांकित प्रश्न सं. 121 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): क्षेत्रीय रेलों से वंदे भारत सेवाओं सहित नई रेलगाड़ियां शुरू करने और गाड़ी सेवाओं के ठहराव के प्रावधान से संबंधित प्रस्ताव प्राप्त होना, उनकी जांच करना और उन पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्णय लिया जाना एक सतत प्रक्रिया है। तदनुसार, 2023-2024 के दौरान, विशाखापत्तनम क्षेत्र के यात्रियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, निम्नलिखित 04 जोड़ी वंदे भारत सेवाएं अर्थात् 20833/20834 विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस (26.11.2023 से), 20841/20842 भुवनेश्वर-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस (17.03.2024 से), 20707/20708 सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस (25.08.2024 से), और 20829/20830 दुर्ग-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस (20.09.2024 से) शुरू की गई हैं। इसके अलावा, विशाखापत्तनम के यात्रियों की सेवा के लिए 30.12.2023 से विशाखापत्तनम के रास्ते अमृत भारत एक्सप्रेस अर्थात् 13433/13434 मालदा टाउन-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस भी परिचालित की जाती है। इन गाड़ियों के अलावा, 22.11.2023 से 18311/18312 बनारस-संबलपुर एक्सप्रेस का विशाखापत्तनम तक विस्तार, 13.01.2024 से 22701/22702 विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा उदय एक्सप्रेस का गुंटूर तक विस्तार, 03.03.2024 से 08531/08532 विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर का ब्रहमपुर तक विस्तार तथा 27.12.2023 से 08503/08504 विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर का भवानीपटना तक विस्तार भी किया गया है। वर्तमान में, विशाखापत्तनम स्टेशन से गुजरने वाली सभी गाड़ी सेवाओं का विशाखापत्तनम में ठहराव निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल में गाड़ियों की शुरुआत और गाड़ी सेवाओं के ठहराव का प्रावधान करना प्रतिस्पर्धी मांग, परिचालनिक व्यवहार्यता, वाणिज्यिक संभाव्यता आदि के अध्यधीन एक सतत प्रक्रिया है।

इसके अलावा, रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर बनाने की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 73 स्टेशन आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित हैं। इस योजना के तहत विकास के लिए आंध्र प्रदेश राज्य में चिह्नित स्टेशनों के नाम हैं: अदोनी, अनकापल्ले, अनंतपुर, अनापार्थी, अराकू, बापटला, भीमावरम टाउन, बोब्बिली जंक्शन, चिपुरुपल्ली, चिराला, चित्तूर, कड़पा, कुंबुम, धर्मावरम, धोने, डोनाकोंडा, दुव्वाडा, इलामंचिली, एलुरु, गिद्दलूर, गूटी, गुडिवाड़ा, गुडुर, गुनाडाला, गुंटूर, हिंदूपुर, इच्छापुरम, कादिरी, काकीनाडा टाउन, कोट्टावलासा, कुप्पम, कुरनूल सिटी, मचेरला, मछलीपट्टनम, मदनपल्ली रोड, मंगलागिरी, मर्कापुरम रोड, मंत्रालयम रोड, नादिकुडे जंक्शन, नंद्याल, नरसारावपेट, नरसापुर, नौपाड़ा जंक्शन, नेल्लोर, निदादावोलु, ओंगोल, पाकला, पलासा, पार्वतीपुरम, पिदुगुरल्ला, पिलर, राजमपेट, राजमुंदरी, रायनपडु, रेनिगुंटा, रेपल्ले, समालकोट, सत्तनपल्ले, सत्यसाई प्रशांति निलयम, सिम्हाचलम, सिंगारायकोंडा, श्रीकालहस्ती, श्रीकाकुलम रोड, सुल्लुरपेटा, ताडेपल्लीगुडेम, ताडिपत्रि, तेनाली, तिरुपति, तुनी, विजयवाड़ा, विनुकोंडा, विशाखापत्तनम और विजयानगरम जंक्शन।

इस योजना के तहत, आंध्र प्रदेश राज्य में आने वाले विशाखापत्तनम और दुव्वाडा रेलवे स्टेशनों की भी पहचान की गई है। पूर्व में दिए गए इंजीनियरी, प्रापण एवं निर्माण (ईपीसी) अनुबंध को समाप्त कर दिया गया था और विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए पुनः निविदा जारी की गई है। दुव्वाडा स्टेशन पर प्रतीक्षालय के साथ नए स्टेशन भवन का निर्माण, 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल की नींव का कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह निर्माण का कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालयों आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधि के आवंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। यात्री सुविधाओं को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। आंध्र प्रदेश राज्य में आने वाले विशाखापत्तनम और दुव्वाडा रेलवे स्टेशन पूर्व तट रेलवे जोन के अंतर्गत आते हैं और योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए पूर्व तट रेलवे को वर्ष (बजट अनुमान 2024-25) के लिए ₹671.40 करोड़ निधि का आवंटन किया गया है।

*****